NBT
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली > गुरुवार, 18 दिसंबर 2014 > मार्गशीर्ष 27 शक 1936 > पौष कृष्ण 11 विक्रम 2071

मॉर्निंग असेंबली में रोए बच्चे

भूपेंद्र, नई दिल्ली

पेशावर के आर्मी स्कूल में आतंकी हमले में मारे गए 132 बच्चों की याद में दिल्ली के स्कूलों के बच्चे सुबह असेंबली में रोते दिखाए दिए। दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले ये बच्चे उन्हें नहीं जानते थे लेकिन फिर भी उन्हें लगा कि जैसे अपना कोई साथ छोड़ गया है। यहां के स्कूलों में माहौल बेहद गमगीन था। आतंकियों के लिए गुस्सा साफ नजर आया। आज न तो कैंटीन में बच्चों की भीड़ उमड़ी और न ही प्लेग्राउंड की ओर से एक शोक संदेश तैयार किया गया है, जिसे पाकिस्तान एंबेसी को भेजा जाएगा। यह घटना पाकिस्तान में हुई है लेकिन बच्चों का दुख दिखाता है कि इस मुद्दे पर सब बच्चों की सोच एक जैसी है।

स्कूलों में गमगीन रहा माहौल, सभी बच्चों ने किया याद

माउंट आबू पब्लिक स्कूल रोहिणी की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा ने बताया कि मॉर्निंग असेंबली में बच्चे अपने इमोशन पर काबू नहीं रख पाए और उनकी आंखें भी छलकीं। बच्चों में डर भी नजर आया। तय किया गया है कि मारे गए बच्चों की याद में सिग्नेचर कैंपेन कंडक्ट किया जाएगा और पाक एंबेसी तक स्कूली बच्चों के संदेशों को पहुंचाया जाएगा। बहुत से बच्चों ने तो आज लंच भी नहीं किया। बच्चों के चेहरे पर पीड़ा साफ दिख रही थी।

स्कूल में सुरक्षा को लेकर बैठक भी हुई। 19 दिसंबर को पुलिस की ओर से बच्चों के लिए सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग का इंतजाम भी रखा गया है। वीएसपीके इंटरनेशनल स्कूल रोहिणी के चेयरमैन एस.के. गुप्ता बताते हैं कि स्कूल के ज्यादातर बच्चों को पाकिस्तान में हुए हादसे की जानकारी थी। क्लासरूम में भी आज खामोशी थी। बच्चों के चेहरे पर गुस्सा भी नजर आया।

एम.एम. पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रोमा पाठक ने बताया कि बच्चों ने पोस्टरों के जरिए अपने दुख और गुस्से का इजहार किया। जिस तरह से पाकिस्तान में बच्चे गुस्से में हैं, वही दुख और गुस्सा यहां के स्कूलों के बच्चों के दिलों में भी है।